Development of E-Car by trainees of Govt. ITI Joginder nagar

Government Industrial Training Institute Jogindernagar was established in year 2000 and presently 03 units of Motor Mechanic Vehicle (MMV) AND 03 units of Electrician Trade are functional in the campus. Further, as the institute is surrounded by various schools running Vocational courses in Mechanical sector, to give an idea of Electric Vehicles to all the trainees of the area, the idea of developing in-house Electric car (e car) was envisaged.

To materialize this thought, an old Maruti 800 from the local scrap market and a Brushless direct current (BLDC) Motor along with a controller was bought from Delhi. To transmit the motion from Motor to driving wheels, old Gearbox and clutch assembly of the car was used. To accommodate/compensate the vibrations (to and fro), in addition to fitting SV mounts, a Ball bearing was fitted by modifying the cut section of the original Gear Box. As the Motor requires 72 Volts, 90 Amps supply, 06 Lead Acid batteries of 12 Volt/90 Amps were connected in series. Further, to make it more Environment friendly, 04 Solar panels too were incorporated in the charging circuit.

A dedicated team of MMV and Electrician trade Instructors (Mr Ashok, Mr Kapil and Mr Virender) and trainees were tasked for this challenging job and after 02 months of dedicated efforts they could make the vehicle run on Electric power at an approximate price of Rupees 60000 Rupees. It is capable of running 50 KMs in single charge and takes 8-10 hours to charge the batteries.

GOVT INDUSTRIAL TRAINING INSTITUTE
JOGINDER NAGAR
E-Car
GOVT I.T.I J.N.R

JOGINDER NAGAR
E-Car

Media coverage

पहल आइटीआइ के प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित कर दिया ई-गाड़ियों की तकनीक को विकसित करने का बढ़ावा

एक बार चार्ज, 50 किलोमीटर चलेगी यह कार

संवाद सहयोगी, जोगेंद्रनगर : आइटीआइ जोगेंद्रनगर के प्रशिक्षुओं ने इलेक्ट्रिक कार तैयार की है। यह कार एक बार चार्ज करने पर 50 किलोमीटर चलेगी। इसमें सोलर पैनल की व्यवस्था भी की गई है, ताकि सूरज की रोशनी से भी बैटरी चार्ज होती रहेगी।

आइटीआइ के प्राचार्य तनुज शर्मा ने बताया कि देशभर में ई-कार सड़कों पर दौड़ने को तैयार है। इसी क्षेत्र में प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार की संभावनाओं को तलाशते हुए संस्थान में अब ई-गाड़ियों की तकनीक को बढ़ावा दिया गया है। पहली ई-कार प्रशिक्षुओं ने तैयार कर दी है। यह इलेक्ट्रिक कार महज 50 हजार रुपये में तैयार हुई है। कार का सामान प्रशिक्षुओं ने कबाड़ में खरीदा था, जिसे अपनी मेहनत और तकनीक के बूते तैयार किया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए ई-कार बेहतर है। इसलिए आइटीआइ के प्रशिक्षुओं को अब ई-कार की तकनीक का प्रशिक्षण भी डोहग स्थित आइटीआइ में मिलना शुरू हुआ है। यहां पर करीब चार सौ प्रशिक्षु प्रशिक्षण ले रहे हैं। कुल नौ ट्रेड के 18 यूनिट संस्थान में उपलब्ध करवाए गए हैं। मोटर मैकेनिक और इलेक्ट्रिक का प्रशिक्षण हासिल कर सौ प्रशिक्षु मारुति कंपनी में सेवाएं दे रहे हैं। ग्रेडिंग में देश भर में अव्वल आइटीआइ जोगेंद्रनगर का वार्षिक परिणाम इस बार भी 95 प्रतिशत रहा।

वहीं कौशल आचार्य के अवार्ड से भी आइटीआइ को भारत सरकार ने नवाजा है। आइटीआइ की ओर से तैयार की गई इस कार का निरीक्षण मंगलवार को मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी करेंगे।

आइटीआइ जोगेंद्रनगर के प्रशिक्षुओं की ओर से तैयार की गई ई-कार की जानकारी देता एक प्रशिक्षु ● जागरण

- आइटीआइ जोगेंद्रनगर के प्रशिक्षुओं ने बनाई इलेक्ट्रिक कार
- जयराम ठाकुर आज करेंगे निरीक्षण, सोलर पैनल से भी चार्ज होगी बैटरी